पूर्वी क्षेत्र के राज्यों में गैर भारतीयों का बसना

372. **श्री बौलत राम सारण :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर और देश के पूर्वी क्षेत्र के अन्य राज्यों में कुल कितने गैर-भारतीय बसे हैं और क्या उनकी संख्या में दिन प्रतिदिन वृद्धि हो रही है ;

(ख) इन राज्यों में पहले से ही कितने गैर-भारतीयों को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है और उनकी राज्यवार सूची क्या है ;

(ग) क्या इन राज्यों में विशेष रूप से असम में रह रहे ऐसे गैर-भारतीयों को, जिन्हें अभी तक भारतीय नागरिकता प्रदान नहीं की गई है बहुत बड़ी संख्या में (स्थानीय निकायों, पंचायतों और आम चुनावों के लिए) मतदाता सूचियों में शामिल किये जाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(घ) यदि हां, तो इस बारे में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री घनिक लाल मण्डल) : (क) कुछ रिपोर्टें मिली है कि गैर-भारतीयों की संख्या में विशेष कर पूर्वी तथा उत्तरी पूर्वी भारत के राज्यों में पड़ोसी देशों से धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। इस सम्बन्ध में सही आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

(ख) गैर भारतीयों की संख्या जिन्हें 1974 से 1978 तक पूर्वी तथा उत्तरी पूर्वी राज्यों में भारतीय नागरकता प्रदान कर दी गई थी, के सम्बन्ध में राज्यवार सूचना का विवरण संलग्न है।

(ग) कुछ रिपोर्टें हैं कि मतदाता सूची में विदेशियों के नामों को विशेष रूप से उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों में शामिल करने का सफलतापूर्वक प्रयास किया गया है।

(घ) राज्य सरकारों को मतदाता सूचियों चैक करने तथा सूचियों से पता लगाये गये किन्हीं विदेशियों के नामों को उपयुक्त कार्रवाई के लिए सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारियों के ध्यान में लाने के लिए अनुदेश जारी किये गये हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा सम्बन्धित राज्यों/संघ शासित क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूचियों से ऐसे व्यक्तियों के नामों को हटा देने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 22 के अधीन उपयुक्त कार्रवाई करने के अनुदेश भी जारी किये गए हैं।

विवरण

पिछले पांच वर्षों (1974-75) में उन व्यक्तियों की संख्या जिन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है।

क्रम संख्या	राज्य का नाम	व्यक्तियों की संख्या
1	2	3
1.	मेघालय	131
2.	असम	3698
3.	प0 बंगाल	34072
4.	मणिपुर	15
5.	त्रिपुरा	20159
6.	नागालैण्ड	2
7.	मिजोरम	2
8.	अरुणाचल प्रदेश	शून्य
9.	सिक्किम	शून्य

बोट क्लब, नई दिल्ली पर किसान रैली

373. **श्री बौलत राम सारण :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 23 दिसम्बर, 1978 को किसान दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में बोट क्लब पर आयोजित अब तक की सबसे बड़ी किसान रैली में सम्मिलित होने के लिये देश के सभी भागों से आने वाले किसानों ने अपने आप को शांति पूर्ण व्यवस्थित वे अनुशासनात्मक ढंग से पेश करके एक अनूठा और अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था ; और

(ख) सरकार द्वारा अब तक की सब से बड़ी किसान रैली में सम्मिलित होने वाले लोगों के लिए क्या प्रबन्ध किये गये और क्या सुविधाएं उपलब्ध की गई।

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० डी० पाटिल): (क) 23 दिसम्बर, 1978 की आल इंडिया किसान सम्मेलन द्वारा आयोजित रैली किसी अप्रिय घटना के बिना सम्पन्न हुई थी।

(ख) विधि और व्यवस्था को बनाए रखने और यातायात को नियमित करने और रैली में भाग लेने वालों को लाने वाले वाहनों को पार्क करने के प्रबन्ध किए गए थे। रैली में भाग लेने वालों के ठहरने के स्थानों पर और चुनिन्दा स्थानों पर एम्बुलेंस, पानी की टंकियों और प्रथम चिकित्सा केन्द्रों की व्यवस्था की गई थी।